ISSN: 2582-6557 RNI -MP/BIL/2020/78687

JANMAT POWER NATIONAL RESEARCH JOURNAL
A MONTHLY RESEARCH JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY
NATIONAL PEER- REFEREED,REVIEW JOURNAL, INDEXING &IMPACT FACTOR-5.2

CONTANTS

S.NO	PAPER TITAL	AUTHOR NAME	P.NO
01	वर्तमान जीवन शैली में बढ़ते मानसिक विकारों को कम करने में ध्यान की भूमिका	मुक्ति चौहान डॉ शशिकांत त्रिपाठी	1-11
02	Study of the role of women's organization Gulabi Gang in the development of public consciousness	Ajay tripathi	12-15
03	"सामान्य प्रसव में योग की भूमिका"	आकांक्षा शर्मा डॉ अखिलेश कुमार सिंह	16-26
04	Nucleophilic Substitution at Tetracoordinate Sulfur. Kinetics and Mechanism of the Chloride-Chloride Exchange Reaction in Arenesulfonyl Chlorides: Counterintuitive Acceleration of Substitution at Sulfonyl Sulfur by ortho-Alkyl Groups and Its Origin	Gaurav Dubey	27-31
05	भारत में भुखमरी सूचकांक का विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. काजल बंसल	32-40
06	Digital India a Transformation the Nation into A Digital Economy: A Case of the State of Himachal Pradesh	Desh Raj	41-47
07	भारत में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा शिक्षा का विकास	डॉ. यशवंत सिंह पटेल	48-53
08	छत्तीसगढ़ की शैक्षणिक स्तर के स्थिति का विश्लेषाणात्मक अध्ययन	डॉ रश्मि पाण्डेय	54-62
09	उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय में विद्यार्थियों के सीखने के व्यवहार पर शिक्षण उपागम के प्रभाव का अध्ययन	डॉ. संध्या शर्मा सरिता यादव	63-68

ISSN: 2582-6557 RNI -MP/BIL/2020/78687

JANMAT POWER NATIONAL RESEARCH JOURNAL
A MONTHLY RESEARCH JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY
NATIONAL PEER- REFEREED,REVIEW JOURNAL, INDEXING &IMPACT FACTOR-5.2

10	कविवर सुशांत कुमार राज के छंद विन्यास का विश्लेषण	डॉ. वीरेन्द्र कुमार जोशी पंकज शर्मा	69-76
11	उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की स्मार्ट फोन के उपयोग से संवेगात्मक बृद्धि और शैक्षणिक प्रभावों का अध्ययन	अंशुल गौतम	77-85
12	MODEL BASED ON HUMAN SENTIMENT WITH SUPERVISED MACHINE LEARNING	Shalini Rawat Dr. Amit Singhal	86-91

JNMNRJ
JANMAT POWER
NATIONAL MONTHLY RESEARCH JOURNAL

छत्तीसगढ़ की शैक्षणिक स्तर के स्थिति का विश्लेषाणात्मक अध्ययन

डॉ रश्मि पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक(अर्थशास्त्र)

शासकीय रेवती रमन मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर (.ग.छ)

"तमसो मा ज्योतिर्गमय" अर्थात् अंधकार से मुझे प्रकाश की ओर ले जाओ। यह प्रार्थना भारतीय संस्कृति की मूल स्तम्भ है। प्रकाश में व्यक्ति को सब कुछ दिखाई देता है, अंधकार में नहीं।

मानव विकास सूचकांक का प्रमुख आधार-शिक्षा है। जो देश के सामाजिकआर्थिक ताने बाने - य और उपचारी भूमिका निभाती है। चूंकि किसी भीमें संतुलन के लिए उल्लेखनीदेश के नागरिक उसके अत्यधिक बहुमूल्य संसाधन हैं। इसलिए किसी राष्ट्र को जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए बुनियादी शिक्षा के रूप में पोशण एवं देखभाल की जरूरत है। इसके लिए देश के नागरिकों के समग्र विकास की जरूरत है, जिससे शिक्षा में सृदृढ़ आधार बनाकर प्राप्त किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा को तीव्रगति से बढ़ावा देने के उद्देष्य से इसके विकास पर बल दिया है। शिक्षा के अभाव में सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उन्हें बिल्कुल ही जानकारी नही होती। उनके विकास के लिए सरकार द्वारा आबंटित धन का लाभ उन्हें नहीं मिल पाता है, और गरीबी एवं लाचारगी का जीवन व्यतीत करने के लिए ये अभिशप्त होते हैं।

यदि इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाए तो एक बात जो बिल्कुल स्पष्ट होती है वह यह कि व्यापक राश्ट्रहित में तीव्रगति से लिए जाने वाले निर्णय का अभाव है।

हम जानते हैं कि मानव विकास सूचकांक में निम्नलिखित तीन विभावों को शामिल किया गया है:-

1-जीवन प्रत्याशा द्वारा परिलक्षित दीर्घजीवी एवं स्वस्थ जीवन।

2-विद्यालयी शिक्षा के माध्य वर्ष (हर के बच्चों को समायोजित करते हुयेविद्यालयी से बा) सात वर्श और उससे अधिक आयु वर्ग द्वारा परिलक्षित) एवं साक्षरता दरशिक्षा तथा ज्ञान की प्राप्ति।(

3-मासिक प्रति व्यक्ति व्यय मुद्रा स्फीति तथा असमान)ता से समायोजितके रूप में (परिलक्षित जीवन स्तर।

प्रस्तुत शोध अध्याय में मानव विकास सूचकांक के दूसरे आयाम यानि छत्तीसगढ़ में शिक्षा स्तर के स्थिति का विश्लेषात्मक अध्ययन को लिया गया। इसमें साक्षरता दर, विद्यार्थीयों की संख्या, शिक्षा नीति एवं योजना का विश्लेषात्मक अध्ययन किया गया है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार साक्षरता संख्या

अध्ययन में स्पष्ट है की जनगणना में साक्षरों की 2011 की जनगणना की तुलना में 2001 संख्या में वृद्धि हुई है जो अच्छेशिक्षा व्यवस्था का सूचक है। वर्श में छत्तीसगढ़ 2001 मंे कुल साक्षर जनसंख्या हेा गया 15379922 में बढ़कर 2011 था जो वर्श 11173149 है।

छत्तीसगढ़ की साक्षर जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर

छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में महिला साक्षरता की संख्या में वृद्धि हुई है। साथ ही समग्र छत्तीसगढ़ में भी महिला साक्षरता की संख्या में वृद्धि हुई है, सबसे अधिक साक्षरता संख्या में वृद्धि कबीरधाम जिले में हुई है, जबकि सबसे कम कांकेर जिला में है। सभी जिलों में पुरूष साक्षरता से महिला साक्षरता की वृद्धि दर अधिक है। जो अच्छे शिक्षा स्तर की सूचक है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार साक्षरता दर

जनगणना 64.66 में कुल साक्षरता दर 2001प्रतिशत, पुरूष साक्षरता 77.38प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 51.85प्रतिशत था। जबकि जनगणना में छत्तीसगढ़ की कुल 2011 70.28 साक्षरता दर बढ़करप्रतिशत, पुरूष साक्षरता दर 80.27प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 60.24प्रतिशत हो गया है। लेकिन दोनों जनगणनाओं में पुरूष साक्षरता महिला साक्षरता से अधिक है।

जिला राजनांदगाँव था जनगणना में सबसे अधिक साक्षर 2001, वहाँ की जनगणना 2011 में सबसे अधिक साक्षर जिला दुर्ग हैं। जबकि दोनों की जनगणना में सबसे कम साक्षरता दर दंतेवाड़ा) दंतेवाड़ा$ बीजापुरमें छत्तीसगढ़ में सरगुजा एवं 2001 जिले में है एवं जनगणना (दंतेवाड़ा, बस्तर को छोड़कर लगभग सभी जिलों में साक्षरता दर 60 फीसदी से अधिक थी, जो 70 की जनगणना में बढ़कर 2011प्रतिशत से अधिक हो गई।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर

छत्तीसगढ़ में जनगणना 8.69 में कुल साक्षरता में 2011 की तुलना में जनगणना 2001 प्रतिशत, पुरूष साक्षरता दर में 3.7प्रतिशत 3 तथा महिला साक्षरता में इन दस वर्षो में 16.1प्रतिशत 8 की वृद्धि हुई है। महिला साक्षरता दर में वृद्धि पुरूष साक्षरता दर से अधिक है एवं सबसे अधिक साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर दंतेवाड़ा जिले में तथा सबसे कम कांकेर जिले में है। राजनांदगांव एवं बस्तर जिले में तो यह ऋणात्मक हो गई। लेकिन तालिका में यह भी स्पष्ट है कि महिला साक्षरता की दर की दशकीय वृद्धि दर सबसे अधिक दंतेवाड़ा, बस्तर में है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जनजाति की साक्षर जनसंख्या

जनगणना 2826686 संख्या में जहाँ छत्तीसगढ़ की कुल अनुसूचित जनजाति साक्षरता 2001, पुरूष साक्षरता की जनगणना में कुल 2011 थी। 1076084 तथा महिला साक्षरता 1750602 3913827 अनुसूचित जनजाति साक्षर जनसंख्या बढ़कर, अनुसूचित जनजाति पुरूष की साक्षर जनसंख्या 1634507 तथा अनुसूचित जनजाति महिला का साक्षरता बढ़कर 2279320 हो गया है।

जनगणना में सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति साक्षर जनसंख्या सरगुजा जिले तथा 2001 में भी लगभग यही स्थिति है। 2011 सबसे कम कबीरधाम है। जनगणना

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जनजाति साक्षर जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना 38.46 ख्या मेंमें कुल साक्षर जनसं 2011 की तुलना में जनगणना 2001 प्रतिशत, पुरूष साक्षर जनसंख्या में 30.2प्रतिशत तथा महिला साक्षरता में 51.89प्रतिशत तक वृद्धि हुई है एवं सबसे अधिक महिला अनुसूचित जनजाति साक्षर जनसंख्या में लगभग

50प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति साक्षर जनसंख्या में वृद्धि दंतेवाड़ा जिले एवं पुरूष एवं महिला साक्षर जनसंख्या में वृद्धि दंतेवाड़ा जिले में ही है। जबकि सबसे कम साक्षर जनसंख्या में वृद्धि राजनांदगांव में है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जनजाति साक्षरता दर

52.1 क्षरता दरकी जनगणना में छत्तीसगढ़ की कुल अनुसूचित जनजाति सा 2001प्रतिशत पुरूष साक्षरता दर 65.0प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 39.3प्रतिशत है जो की 2011 जनगणना में बढ़कर छत्तीसगढ़ की कुल अनुसूचित जनजाति साक्षरता दर 59.09प्रतिशत, पुरूष साक्षरता दर 69.67प्रतिशत एवं महिला साक्षरता दर बढ़कर 48.76प्रतिशत हो गई। की जनगणना में सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति साक्षरता दर जिला राजनांदगांव 2001 में सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति साक्षर जिला दुर्ग है। 2011 तथा

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जनजाति की साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि

जनगणना ढ़ की अनुसूचित जनजाति की में छत्तीसग 2011 की तुलना में जनगणना 2001 कुल साक्षरता दर मेंदशकीय वृद्धि दर 13.42प्रतिशत, पुरूष 7.18 प्रतिशत एवं महिला 24.07प्रतिशत है है। सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति की साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर दंतेवाड़ा जिले तथा सबसे कम राजनांदगांव जिले में -3.32 जहाँ ऋणात्मक हो गया है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जाति की साक्षर जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना 2011 की तुलना में जनगणना 2001में कुल अनुसूचित जाति साक्षर जनसंख्या में 54.34प्रतिशत, पुरूष 70.37 प्रतिशत तथा महिला 69.68प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तालिका से स्पष्ट है कि सबसे अधिक पुरूष अनुसूचित जाति जनसंख्या में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है सबसे अधिक अनुसूचित जाति साक्षर जनसंख्या में वृद्धि; कबीरधाम जिले में 85. 11प्रतिशत तथा सबसे कम दंतेवाड़ा जिले में25 . 21प्रतिशत है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जाति की साक्षरता दर

64 की जनगणना में छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जाति की साक्षरता दर 2001प्रतिशत, पुरूष साक्षरता दर 78.7प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 49.2प्रतिशत था जो की 2011 70.76 जनगणना में बढ़कर छत्तीसगढ़ की कुल अनुसूचित जाति साक्षरता दर बढ़कर

प्रतिशत, पुरूष साक्षरता दर 81.66प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर बढ़कर 59.86प्रतिशत हो गई। दोनो ही जनगणना में सबसे अधिक अनुसू 2011 और 2001चित जाति साक्षरता दर जिला कांकेर जिले एवं सबसे कम सरगुजा जिले में है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार अनुसूचित जाति की साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना में छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जाति की कुल 2011 की तुलना में जनगणना 2001 साक्षरता दर कीदशकीय वृद्धि 10.5प्रतिशत 6, पुरूष3. 7प्रतिशत 6 तथा महिला 21.6 7 प्रतिशत है। सबसे अधिक अनुसूचित जाति की साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर दंतेवाड़ा जिले में तथा सबसे कम कांकेर जिले जहाँ ऋणात्मक हो गया है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार नगरीय साक्षरता जनसंख्या

जनगणना में जहाँ छत्तीसगढ़ की कुल 2001नगरीय साक्षरता जनसंख्या 2896583, पुरूष साक्षरता जनसंख्या की 2011 थी वहीं 1232347 तथा महिला साक्षरता जनसंख्या 1664236 4370966 संख्या बढ़करजनणगना में कुल नगरीय साक्षरता जन, पुरूष साक्षरता जनसंख्या हो गई है। तालिका म 1966085 तथा महिला साक्षरता जनसंख्या 2404881ं स्पष्ट है में यह 2011 में रायपुर जिले की सबसे अधिक नगरीय जनसंख्या थी जबकि 2001 एवं 2001 परिवर्तित होकर दुर्ग हो गया है। जबकि सबसे कम नगरीय साक्षर जनसंख्या में दंतेवाड़ा जिले में है। 2011

छत्तीसगढ़ की जिलेवार नगरीय साक्षरता जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना में कुल नगरीय साक्षरता जनसंख्या की 2011 की तुलना में जनगणना 2001 दशकीय वृद्धि दर में 50.9प्रतिशत, पुरूष 44.5 प्रतिशत तथा महिला में 59.54प्रतिशत वृद्धि हुई है। तालिका में स्पष्ट है कि सबसे अधिक नगरीय साक्षरता जनगसख्या में दशकीय वृद्धि कांकेर जिले तथा सबसे कम राजनांदगांव जिले में हुई है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार नगरीय साक्षरता दर

80.58 की जनगणना में छत्तीसगढ़ की कुलनगरीय साक्षरता दर 2001प्रतिशत, पुरूष नगरीय साक्षरता दर 89.39प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 71.11प्रतिशत था जो 2011 की जनगणना में बढ़कर छत्तीसगढ़ की कुल नगरीय साक्षरता दर 84.05प्रतिशत, पुरूष

90.58प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर बढ़कर 77.54प्रतिशत हो गई। 2011 एवं 2001 से अधिक नगरीय साक्षरता दर कांकेर जिले और सबसे कम दोनों ही जनगणना में सब कबीरधाम में है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार नगरीय साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना में छत्तीसगढ़ की कुल नगरीय साक्षरता दर 2011 की तुलना में जनगणना 2001 कीदशकीय वृद्धि दर 4.30प्रतिशत, पुरूष नगरीय साक्षरता दर 1.33प्रतिशत तथा महिला नगरीय साक्षरता दर 9.04प्रतिशत है। सबसे अधिक नगरीय साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर रायपुर जिले की और सबसे कम जशपुर जिले की है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या

जनगणना 8276566 ख्यामें जहाँ छत्तीसगढ़ की कुल ग्रामीण साक्षरता जनसं 2001, पुरूष ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या तथा महिला 5047159ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या 3229407 11008956 की जनगणना में कुल ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या बढ़कर 2011 थी वहीं यह, पुरूष ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या तथा महिला ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या बढ़कर 6403012 4605944, हो गई। तालिका से स्पष्ट है कि दोनों ही जनगण 2011 एवं 2001ना में रायपुर जिले में सबसे अधिक ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या तथा सबसे कम दंतेवाड़ा जिले में है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना में कुल ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या की 2011 की तुलना में जनगणना 2001 दशकीय वृद्धि दर में 33.01प्रतिशत, पुरूष ग्रामीण साक्षरता में 26.86प्रतिशत तथा महिला ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या की दशकीय वृद्धि 42.63प्रतिशत है। तालिका से स्पष्ट है कि सबसे अधिक ग्रामीण साक्षरता जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर कोरबा में और सबसे कम कांकेर जिले में है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार ग्रामीण साक्षरता दर

60.48 की जनगणना में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण साक्षरता दर 2001प्रतिशत, पुरूष ग्रामीण साक्षरता दर 70.09प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 46.99प्रतिशत है। जो की 2011 65.99 मंे बढ़कर छत्तीसगढ़ की कुल ग्रामीण साक्षरता दर जनगणनाप्रतिशत, पुरूष ग्रामीण

साक्षरता दर 76.98प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 55.0प्रतिशत है। नगरीय साक्षरता दर से ग्रामीण साक्षरता दर लगभग 20प्रतिशत तक पीछे है। में सबसे अधिक 2001 में 2011 राजनांदगांव और सबसे कम दंतेवाड़ा जिला था जबकि ग्रामीण साक्षरता दर जिला सबसे अधिक ग्रामीण साक्षरता जिला दुर्ग और सबसे कम दंतेवाड़ा हो गया है।

छत्तीसगढ़ की जिलेवार ग्रामीण साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर

जनगणना दर में छत्तीसगढ़ की कुल ग्रामीण साक्षरता 2011 की तुलना में जनगणना 2001 कीदशकीय वृद्धि दर 9.11प्रतिशत, पुरूष ग्रामीण साक्षरता दर 9.83प्रतिशत तथा महिला ग्रामीण साक्षरता दर में 17.17प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

तालिका से यह स्पष्ट है कि ग्रामीण साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर नगरीय साक्षरता दर की वृद्धि दर से अधिक सबसे अधिक ग्रामीण साक्षरता दर की दशकीय वृद्धि दर कोरबा में तथा सबसे कम कांकेर में ऋणात्मक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1.Eleventh five year plan (2007-2012), Government of Chhattisgarh, St ate Planing Board.

2.Annual plan, 2001, 2010 Chhattisgarh Government of Chhattisgarh, Finance and Planing Department.

3.Report of the 2nd common review Mission, Chhattisgarh 16th Decemeber to 22nd December.

4.Report of 1st common Review Mission's visit to State Chhattisgarh State Report. (Period of visit w.e.f. 15.11.2007 to 20.11.2007)

5.District level household and facility survey : Fact sheet Chhattisgarh, international in stitute for population sciences (Deemed) University, Mumbai.

6.2005-06, National Family Health Survey (NFHS-3) Fact Sheet Chhattisgarh (Provisional Data), Ministry of Health and Family Werlfare Govergment of India.

7.1998-99 NFHS-2, fact sheet Chhattisgarh, Ministry of Health and Family Welfare Government of India.

8.1992-93 National Family Health Survey (NFHS-1), Fact sheet Chhattisgarh, Ministry of Health and Family Welfare Government of India.

9.School Education in Chhattisgarh, Report on. Medium Term Expenditure Framework, January-2011 Raipur, Europen Union, State Paternership Programme Chhattisgarh.

10.Suryanarayan, M.H., Agrawal Anskush and Prabhu Seeta, in equality adjusted human development index for india's state, 2011.

11.Human development Report - 2007-08

12.RBI, Handbook of statistics an Indian Economy 2008-09.

.13छत्तीसगढ़ सांख्यिकीय संक्षेप, 2005-2013 से 06-14, आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय छत्तीसगढ़ शासन

.14छत्तीसगढ़ एक दृश्टि में, 2001-तक आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय 2015, छत्तीसगढ़ शासन

.15छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण वर्श 2005-2014 से 06-तक आर्थिक एवं सांख्यिकी 15 संचालनालय छत्तीसगढ़ इन्द्रावती भवन नया रायपुर

.16छत्तीसगढ़ राश्ट्रीय प्रतिदर्ष सर्वेक्षण

.17छत्तीसगढ़ वार्षिक जीवनांक सांख्यिकीय 2000-2014 से 01-15, आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचलानालय छत्तीसगढ़

.18छत्तीसगढ़ की अनुमानित राज्य घरेलु उत्पाद 2004–2014 से 05–15, आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचनालय, छत्तीसगढ़

.19छत्तीसगढ़ के सांख्यिकीय पाॅकेट बुक– 2004–15, आर्थिक एवं सांख्यिकीय संचालनालय, छत्तीसगढ़

20.12वीं पंचवर्शीय योजना का दृष्टिकोण 2012.17, मानव विकास के द्वारा समावेशीकरण, राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़ षासन

.21छत्तीसगढ़ मानव विकास प्रतिवेदन -2007

.22भारत की जनगणना -2001.2011